मानव संसाधन प्रबंधन में कॅरिअर के अवसर

नयपाल सिंह

नव संसाधन प्रबंधन विभाग किसी भी संगठन का महत्वपूर्ण विभाग माना जाता है। मानव संसाधन प्रबंधन किसी भी सुस्थापित संगठन में मुख्य भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र विकास के चरण में है और व्यवसाय में अपने योगदान की मान्यता के लिए अब भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। अन्य व्यावसायों की तरह इस व्यवसाय को भी व्यावसायों तथा वैयक्तिक के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यावसायियों द्वारा प्रबंधन किए जाने की आवश्यकता होती है। वित्तीय संकट तथा रोज़गार बाजार में मंदी के दिनों में, मानव संसाधन प्रबंधन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। यह मानव संसाधन उपलब्ध कराने का दायित्व वहन करता है और कॉर्पोरेट लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण व्यवसाय लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण व्यवसाय सहभागी बनता है। सूचना प्रौद्योगिकी के युग में सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की कंपनियां इस विषय पर बल दे रही हैं और एक खुले बाजार की चुनौतियों को पूरा करने के लिए अधिक भुगतान कर रही हैं। महत्वपूर्ण स्तर पर मानव संसाधन का मुख्य कार्य, कंपनी के व्यवसाय तथा इसकी मानव पूंजी के विकास में संतुलन बनाए रखने के कार्य को विकसित करना है। मानव संसाधन, संगठन में एक प्रेरक के रूप में कार्य करता है। मानव संसाधन व्यवसायी, संगठन में प्रबंध-तंत्र तथा कर्मचारियों के बीच एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है। मानव संसाधन व्यावसायियों का उद्देश्य उत्पादकता तथा कर्मचारियों के बीच कार्य-संतुष्टि बढ़ाने के लिए सकारात्मक तथा स्वस्थ कार्य-माहौल का विकास करना है।

कार्य-क्षेत्र

मानव संसाधन के मुख्य कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- **भर्ती एवं चयन :** कार्य विवरण तैयार करना उपयुक्त योग्यता तथा कौशल के साथ-साथ सही सोंच और मनोवृत्ति रखने वाले व्यक्तियों को आकर्षि करना।
- संगठन में जनशक्ति की वर्तमान तथा भावी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करते हुए जनशक्ति की योजना बनाना, पदारोहण नियोजन और कॅरिअर नियोजन। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें किसी संगठन की भावी सुदृढता निहित होती है।
- मानव संसाधन प्रशासन : संगठन की मानव संसाधन नीतियां तथा कार्य-पद्धतियां निर्धारित करना तथा उन्हें कार्यान्वित करना।
- वेतन तथा लाभ : वेतन-ढांचा कर्मचारी अनुलाभ आदि निर्धारित करना, स्वास्थय, सुरक्षा, संरक्षा, अंतिम लाभ तथा कर्मचारी कल्याण सुविधाएं देना। यह क्षेत्र प्रतिभावान व्यक्तियों को संगठन में बनाए रखने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।
- औद्योगिक संबंध : प्रबंध-तंत्र एवं कर्मचारी संगठनों के बीच स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा देना, कर्मचारियों के संबंधों/मामलों का पता लगाना, श्रम-न्यायालयों में श्रम-आयुक्तों के यहां कानूनी मामलों की देख-रेख करना।
- प्रशिक्षण एवं विकास : प्रभावी कार्य-निष्पादन के लिए कर्मचारी ऑरिएंटेशन कार्यक्रमों की व्यवस्था करना और तकनीकी कौशल तथा आचरण प्रशिक्षण देना। संगठन में किसी कर्मचारी के कॅरिअर की उन्नति के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
- कार्य निष्पादन मूल्यांकन : प्रशिक्षण, पदोन्नति और प्रोत्साहन आदि के उद्देश्य से मूल्यांकन सूचना का उपयोग करते हुए समय-समय पर कर्मचारियों के कार्य-निष्पादन की मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा करना। कर्मचारियों में विश्वास भावना का विकास करने तथा प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए कर्मचारियों के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए उपयुक्त साधनों तथा तकनीकों का उपयोग करना।

इन नियमित भूमिकाओं के अतिरिक्त किसी संगठन में अब मानव संसाधन कार्यों में प्रतिभा प्रबंधन, प्रतिभावान कर्मचारियों को संगठन में रखने की पहल, ब्राण्ड-इमेज निर्माण, कार्य संस्कृति में सुधार तथा संगठन के अंदर ज्ञान एवं प्रबंधन का रूपांतरण आदि जैसे मामले भी सक्रिया रूप से शामिल हो गए हैं।

व्यावसायिक योग्यताएं/पाठ्यक्रम पूरे करना :

किसी भी विषय में अधिस्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, मानव संसाधन व्यवसाय में कॅरिअर बनाने के लिए मानव संसाधन/कार्मिक प्रबंधन विषय में कोई स्नातकोत्तर योग्यता आवश्यक होती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कैट, मैट आदि जैसी प्रवेश-परीक्षा में बैठना होता है और इसके बाद सामूहिक विचार-विमर्श तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार में उपस्थित होना होता है। आजकल व्यवसाय प्रशासन में मास्टर (एम.बी.ए.) योग्यता के बाद अत्यधिक वांछित विषय बन गया है। एम.बी.ए. या प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में विभिन्न विशेषज्ञताएं दिलाई जाती हैं, जिनमें मानव संसाधन/कार्मिक/औद्योगिक संबंध भी एक विषय है। एमबीए (मानव संसाधन) जैसे विषय मानव संसाधन या कार्मिक प्रबंधन में विशिष्ट स्नातकोत्तर प्रबंधन पाठ्यक्रम हैं। सामाजिक कार्य या औद्योगिक मनोविज्ञान में कोई स्नातकोत्तर योग्यता भी मानव संसाधन में कॅरिअर निर्माण में सहायक हो सकती है। कुछ संगठनों में विधि में डिग्री के साथ मानव संसाधन में स्नातकोत्तर योग्यता अतिरिक्त रूप से लाभप्रद मानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों से कई संस्थाएं/विश्वविद्यालय व्यवसाय प्रशासन स्नातक (बीबीए) या व्यवसाय प्रबंधन स्नातक (बीबीएम) पाठ्यक्रम चला रहे हैं, जिनमें मानव संसाधन विषय भी पढ़ाया जाता है। किंतु मानव संसाधन में कॅरिअर निर्माण के लिए ये स्नातक डिग्री योग्यताएं पर्याप्त नहीं समझी जाती। स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के बाद दो वर्षीय नियमित/तीन वर्षीय अंशकालिक प्रबंधन पाठ्यक्रम की स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त की जानी चाहिए। मानव संसाधन व्यवसाय में कॅरिअर बनाने के लिए मानव संसाधन में कोई दो वर्षीय डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम अपेक्षित होता है। कुछ संस्थान/विश्वविद्यालय मानव संसाधन में दो वर्ष की नियमित या तीन वर्ष के अंश कालिक/सुदूर शिक्षा पाठ्यक्रम चलाते हैं।

सेवारत कर्मचारी अंशकालिक या सुदूर शिक्षा पाठ्यक्रम को वरीयता देते हैं। इन योग्यताओं को प्राप्त करने से सेवारत कर्मचारियों को पदोन्नति में वरीयता, अतिरिक्त वेतन-वृद्धि, कॅरिअर विकास आदि जैसे लाभ मिलते हैं। ये लाभ एक संगठन से दूसरे संगठन में भिन्न-भिन्न होते हैं। मानव संसाधन व्यवसाय में मानव संसाधन/कार्मिक प्रबंधन/औद्योगिक संबंध में स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा के साथ-साथ विधि में डिग्री को भी वरीयता दी जाती है और मानव संसाधन व्यवसाय में उच्च कॅरिअर बनाने में इसका कुछ अतिरिक्त लाभ भी है। वास्तव में कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने यहां मानव संसाधन में अवसर के लिए किसी दो वर्षीय पूर्णकालिक योग्यता पर बल देते हैं। मानव संसाधन/कार्मिक प्रबंधन/औद्योगिक संबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी व्यक्ति मानव संसाधन में विशिष्ट कार्य-क्षेत्रों में अपना कौशल बढ़ा सकता है जैसे प्रशिक्षण एवं विकास में डिप्लोमा।

कॅरिअर के अवसर

मानव संसाधन व्यवसाय में आपको ऐसा कॅरिअर मिल सकता है जो अच्छा कार्य माहौल, आकर्षक वेतन, कॅरिअर विकास के अच्छे अवसर लाभप्रद कार्य देता है। प्रत्येक बड़े तथा मझले संगठन में मानव संसाधन व्यावसायियों द्वारा प्रबंधित एक पूर्ण सुचारू मानव संसाधन प्रबंधन/मानव संसाधन विकास/कार्मिक विभाग होता है। मानव संसाधन में पर्याप्त योग्यता के साथ आप ऐसे किसी संगठन का अंश बन सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां संगठन में कार्यपालक संवर्ग में प्रत्येक स्तर पर विभिन्न प्रबंध क्षेत्रों में कार्यपालक/प्रबंधन प्रशिक्षणार्थियों की भर्ती करते हैं, ताकि उन्हें व्यावसायिक प्रबंधक के रूप में परिपक्व किया जा सके। इसमें मानव संसाधन में प्रबंधन प्रशिक्षार्थी भी शामिल हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मानव संसाधन व्यावसायियों को कनिष्ठ प्रबंधन ग्रेड स्केल-I में विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में भर्ती किया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मानव संसाधन व्यावसायियों के लिए व्यापक संभावनाएं/अवसर होते हैं। मानव संसाधन व्यवसाय बैंकिंग उद्योग में अब भी अपनी उपयुक्त मान्यता के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में यह सुस्थापित है और अब सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इसका पूरा लाभ ले रहे हैं।

परामर्श कार्य में कॅरिअर बनाने के इच्छुक व्यक्ति किसी प्रबंधन परामर्श या मानव संसाधन परामर्श संस्था में कार्य ग्रहण कर सकते हैं या फ्रीलांसर कन्सलटैंसी कर सकते हैं। कई ऐसी प्लेसमेंट तथा भर्ती-एजेंसियां हैं जो मानव संसाधन व्यावसायियों को अच्छे अवसर प्रदान करती है। इन एजेंसियों का कार्य, संगठनों की जनशक्ति आवश्यकताओं को समझना और इन आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश करना होता है। ऐसी खोज एजेंसियां क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा विश्व-स्तर पर कार्य करती हैं।

यदि आप शैक्षिक दृष्टि से सम्पन्न हैं तो विश्वविद्यालयों, कॉलेजों तथा प्रबंधन संस्थानों में मानव संसाधन से संबंधित विषय पढ़ाने के अवसर भी विद्यमान हैं। आप एक अनुसंधान उन्मुखी कॅरिअर भी अपना सकते हैं। मानव संसाधन विषयों में प्रशिक्षणार्थियों की अत्यधिक मांग है। कर्मचारियों को प्रेरित करने, प्रबंधकीय तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करने और संचार, व्यवसाय शिष्टाचार आदि जैसे कौशल प्रदान करने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। कोई भी प्रशिक्षणार्थी स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकता है। अथवा किसी प्रशिक्षण एजेंसी में कार्य प्राप्त कर सकता है। मानव संसाधन में ज्ञान, अनुभव तथा विशेषज्ञता प्राप्त करके कोई भी व्यक्ति प्रशिक्षक, परामर्शदाता या सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकता है। सामाजिक तथा गैर-सरकारी संगठनों में मानव संसाधन व्यवसायियों की अच्छी मांग है। सोफ्टवेयर कंपनियों को मानव संसाधन विषय के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

मानव संसाधन प्रबंधन- - -

(पृष्ठ 1 का शेष)

इस तरह मानव संसाधन व्यावसायियों के लिए कार्यों के विविध और आकर्षक अवसर विद्यमान हैं। मानव संसाधन, किसी संगठन के वरिष्ठ तथा उच्च प्रबंधन दल का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। मानव संसाधन के योगदान के बिना कोई भी कार्पोरेट नीतिपूर्ण नहीं हो सकती। मानव संसाधन, कार्पोरेट स्तर पर अनुकूल सहयोग, विलयन एवं अधिग्रहण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

व्यक्तिगत गुण

व्यावसायिक योग्यता के अलावा कुछ अतिरिक्त कौशल भी किसी व्यक्ति को मानव संसाधन कार्यों में सफल होने में सहायक होता है।

मानव संसाधन व्यावसायी में तीन गुण होने चाहिए : (1) एक अच्छा व्यक्ति हो, (2) देश का अच्छा नागरिक हो और (3) एक अच्छा लीडर हो। एक अच्छे मानव संसाधन व्यवसायी को अच्छा सुनने वाला तथा एक अच्छा निर्णयकर्ता होना चाहिए।

उत्कृष्ट संचार एवं अंतर वैयक्तिक कौशल व्यक्तियों के साथ संबंध स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं को आसानी से सुलझाने तथा कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने में सहायक होता है।

सक्षमता का एक अच्छा जज होने के विशेष रूप से भर्ती एवं पदोन्नति की प्रक्रिया के दौरान निश्चय ही सहायक होता है। दबाव में कार्य करने की क्षमता भी अपेक्षित होती है। मानव संसाधन व्यवसायी संगठन की मांग को समझता हो और अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन समय के लिए नीतियां तैयार करने के लिए भावी आवश्यकताओं का अनुमान लगाने में सक्षम होना चाहिए। किसी मानव संसाधन व्यवसायी से व्यापक समझ होने की प्रत्याशा की जाती है और उसमें भावी विकास को समझने की क्षमता होनी चाहिए।

संस्थान/विश्वविद्यालय

मानव संसाधन में स्नातकोत्तर योग्यता निम्नलिखित संस्थाओं से प्राप्त की जा सकती है। जेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट (एक्स.एल.आर.आई.), जमशेदपुर, आईआईएमएस; टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई; प्रबंध विकास संस्थान (एमडीआई), गुड़गांव; प्रबंधन अध्ययन संकाय (एफएमएस) दिल्ली विश्वविद्यालय, आईसीएफएआई, आईएमटी, गाजियाबाद तथा अन्य विश्वविद्यालय जैसे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, गुरू जांभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार; अलीगढ, विश्वविद्यालय, अलीगढ, जीएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखंड), गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, हरिद्वार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा कई और विश्वविद्यालय मानव संसाधान विषय में एम.बी.ए. कराते हैं। आईआईएम एवं अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों से मानव संसाधन विषयों में अनुसंधान अध्ययन किया जा सकता है। इग्नू, नई दिल्ली, सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बियोसिस प्रबंधन संस्थान, पुणे तथा कई अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान सुदूर शिक्षा पद्धति के अंतर्गत एमबीए पाठ्यक्रम चलाते हैं।

(लेखक ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, मानव संसाधन विकास विभाग, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में कार्मिक अधिकारी है, ई-मेल आईडी singhnaipal@yahoo.com, naipal@obc.co.in)